नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से
ग्वालियर 31 वां वर्ष संस्करण

एक नजर में

मुंबई हाईकोर्ट में बम धमकी से हड़कंप

मुंबई. मुंबई हाईकोर्ट प्रशासन को शुक्रवार दोपहर बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिससे अफरा-तफरी मच गई और सुनवाई स्थगित करनी पड़ी. धमकी मिलने के बाद पूरे परिसर को खाली करा लिया गया और बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया गया. हालांकि, घंटों की कड़ी जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला.एक अधिकारी ने बताया कि धमकी भरा ईमेल बॉम्बे हाईकोर्ट के आधिकारिक ईमेल पते पर आया था, जिसमें इमारत में बम विस्फोट की चेतावनी दी गई थी. सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर सभी न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों और आगंतुकों को परिसर खाली करने को कहा गया. अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में शहर के कई प्रमुख प्रतिष्ठानों और स्कूलों को भी इसी तरह की धमकियां मिली हैं.

2.16 करोड़ की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली. दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 2.16 करोड़ रुपये की भांग निवेश ठगी के मुख्य आरोपी रोहित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को आईजीआई हवाई अड्डा से गिरफ्तार कर लिया गया। वह 2024 से फरार चल रहा था और विदेश भाग गया था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमृथा गूगुलोत ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी रोहित शर्मा (44) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेम्प एसोसिएशन का अध्यक्ष है।उस पर आरोप है कि उसने आइस ड्रीम ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को औद्योगिक भांग परियोजना में निवेश के लिए झूठे वादों से फंसाया। उसने खेती का लाइसेंस और सप्लाई का भरोसा दिलाकर कंपनी से लगभग 2.16 करोड़ रुपए वसूले।जांच में पता चला कि आरोपी ने यह रकम अपने निजी खातों और उन कंपनियों में ट्रांसफर कर दी जिन पर उसका नियंत्रण था।बाद में वह किसी भी तरह का कच्चा माल (भांग) उपलब्ध नहीं करा सका। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी

भारत से डर रही दुनिया

टैरिफ पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान

नागपुर, 12 सितंबर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए ऊंचे टैरिफ पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि यह टैरिफ भारत के बढ़ते प्रभाव से उपजे डर का नतीजा है.

भागवत ने कहा, दुनिया में लोगों को डर लगता है कि भारत अगर बड़ा होगा तो हमारा क्या होगा? इसलिए टैरिफ लगा दो. उन्होंने जोर देकर कहा कि हमे चाहिए, मुझे चाहिए, यही व्यक्ति के झगड़े से राष्ट्र झगड़े का कारण होता है. भागवत ने अपने संबोधन में मैं के बजाय हम की भावना अपनाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि जब इंसान यह समझ जाएगा कि मैं-मेरा नहीं बल्कि हम-हमारा है, तब सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी.

आपको बता दें कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका ने भारत पर रिकॉर्ड स्तर के टैरिफ लगाए हैं. जुलाई 2025 में, ट्रंप प्रशासन ने भारत के उच्च टैरिफ और व्यापार घाटे को जवाब देने के लिए रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के तहत पहला टैरिफ लगाया था. इसके बाद अगस्त 2025 में दूसरा टैरिफ लगाया गया, जिसमें कहा गया कि भारत रूस से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध को फंड दे रहा है. इन फैसलों के बाद, भारतीय निर्यातों पर टैरिफ की दर 50% तक पहुंच गई, जो अमेरिका के किसी भी बड़े व्यापारिक साझेदार पर लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ हैं.

राहुल और यूपी के मंत्री भिड़े

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राहुल गांधी और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बीच तीखी बहस का वीडियो सामने आया है। यह बहस राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के बीच हुई। राहुल 10 और 11 सितंबर दो दिन के रायबरेली दौरे पर थे।इस दौरान उनकी योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के साथ बहस हो गई थी।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की मीटिंग चल रही थी। राहुल गांधी के ठीक बगल में यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह बैठे थे, तभी दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। राहुल गांधी ने कहा कि मीटिंग मैं चेयर कर रहा हूं। अगर आपको कुछ कहना है तो पहले पूछिए फिर मैं आपको बोलने का मौका दूंगा। इस पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भड़क गए और दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।

मीटिंग में अमेठी के सांसद केएल शर्मा भी मौजूद थे, जो राहुल गांधी के साथ दिनेश प्रताप सिंह के साथ बहस करते नजर आए। जानकारी के मुताबिक बैठक में दिशा के कार्य क्षेत्र को लेकर चर्चा चल रही थी। इस दौरान राहुल गांधी ने एक मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुझे पहले से पूछना चाहिए था। इसी पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि आप अध्यक्ष जरूर हैं, लेकिन मैं आपकी हर बात मानने के लिए बाध्य नहीं हूं। आप तो खुद स्पीकर की बात भी नहीं मानते। देखते ही देखते दोनों नेताओं के बीच गर्मागर्म बहस शुरू हो गई। बैठक में मौजूद अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि भी हैरान रह गए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

2018 तक कांग्रेस का हिस्सा थे दिनेश प्रताप सिंह

दिनेश प्रताप सिंह 2018 तक कांग्रेस पार्टी का हिस्सा थे। उन्हें दो बार 2010 और 2016 में यूपी विधान परिषद के सदस्य के रूप में भी चुना गया था। हालांकि, 2017 में यूपी में बीजेपी की सरकार बनी और 2018 में दिनेश प्रताप सिंह ने पाला बदल लिया। 2019 में उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ रायबरेली से लोकसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2024 में इसी सीट पर उन्हें राहुल गांधी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

भारतीय मूल के व्यक्ति का सिर काटा

- अमेरिका में पत्नी-बेटे के सामने की हत्या
- टूटी वॉशिंग मशीन को लेकर विवाद हुआ था

टेक्सास 12 सितंबर. अमेरिका में टेक्सास के डलास में भारतीय मूल के व्यक्ति की उसकी पत्नी और बेटे के सामने हत्या कर दी गई। हमलावर ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें हमलावर सिर काटते हुए, फिर उसे दो बार लात मारते हुए और बाद में कूड़ेदान में फेंकता दिख रहा है।

पुलिस के अनुसार, झगड़ा तब शुरू हुआ जब चंद्रमौली नाग मल्लैया ने अपने सहकर्मी, 37 साल के योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज को टूटी हुई वॉशिंग मशीन इस्तेमाल नहीं करने के लिए कहा। बहस बढ़ गई और मार्टिनेज ने चंद्रमौली पर कई बार चाकू से हमला किया। चंद्रमौली मोटल के पार्किंग लॉट में मदद के लिए चिल्लाते हुए भागे, लेकिन योर्डानिस ने उनका पीछा किया और माचेटे (चौड़ा और भारी ब्लेड वाला चाकू) से हमला किया।

सीबीआई ने चार को लिया रिमांड पर

- 80 हजार की रिश्वत लेते हुए किया था गिरफ्तार

जबलपुर, 12 सितम्बर . सीबीआई ने सागर, मध्य प्रदेश में सैन्य अभियांत्रिकी सेवा (एमईएस) के तीन अधिकारियों और एक बिचौलिए को 80,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है तीनों को सीबीआई जबलपुर लेकर आ गई जिन्हें कोर्ट में पेश किया गया पूछताछ के लिए चारों को 15 सितम्बर तक रिमांड में लिया गया हैं.

जानकारी के मुताबिक केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शिकायतकर्ता से 80,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए सैन्य अभियांत्रिकी सेवा (एमईएस), सागर, मध्य प्रदेश के तीन अधिकारियों और एक बिचौलिए सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सीबीआई ने एमईएस, सागर (मप्र) के आरोपी गैरिसन इंजीनियर (जीई), सहायक गैरिसन इंजीनियर (एजीई) और एक बिचौलिए के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि आरोपी लोक सेवकों ने ठेकेदार को दिए गए अनुबंध के तहत मरम्मत और रखरखाव कार्य करने के लिए अनुबंध स्थल उपलब्ध कराने के लिए बिचौलिए के माध्यम से अनुबंध मूल्य का 2 प्रतिशत 1,00,000 रुपये) रिश्वत की मांग की. बातचीत के बाद, आरोपी शिकायतकर्ता से अनुबंध मूल्य के 1.5 प्रतिशत की दर से 80,000 रुपये की रिश्वत लेने पर सहमत हो गए. सीबीआई ने जाल बिछाया और चारों आरोपियों को शिकायतकर्ता से 80,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया था बाद में, उपरोक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश, सीबीआई मामले, जबलपुर की अदालत में पेश किया गया जहां से 15 सितम्बर तक रिमांड पर लिया गया है. आरोपियों के कार्यालय और आवासीय परिसरों की तलाशी ली गई.

डिप्टी कलेक्टर के 13 पदों में पांच महिलाओं ने बनाई जगह

एमपीपीएससी राज्य सेवा परीक्षा 2024 में देवांशु रहे टॉपर

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग यानि कि एमपीपीएससी ने शुक्रवार शाम राज्य सेवा परीक्षा-2024 का फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिया. आयोग ने कुल 110 पदों में से 87 प्रतिशत पदों की पदवार सूची जारी की है, जबकि 13 प्रतिशत पद अभी होल्ड पर रखे गए हैं, इनमें टॉप 13 में 5 महिलाएं शामिल हैं.

एमपीपीएससी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 का आयोजन 21 से 26 अक्टूबर तक किया था. इस परीक्षा में करीब 3,000 उम्मीदवार शामिल हुए थे. जिसमें कुल 110 पदों में से 87 फीसदी फॉर्मूले के तहत 102 पदों पर 306 उम्मीदवार सफल रहे. वहीं 13 फीसदी प्रोविजनल रिजल्ट कैटेगरी में 8 पद रखे गए, जिनमें 33 उम्मीदवार चयनित हुए. जिसमें डिप्टी कलेक्टर के 13 पदों में 8 पुरुष और 5 महिला उम्मीदवार सफल हुए. इंटरव्यू के लिए 339 उम्मीदवारों का चयन किया था.

टॉप स्कोरर्स

देवांशु शिवहरे - 953 अंक, ऋषव अवस्थी - 945.50 अंक, अंकित - 942 अंक, शुभम - 913 अंक, हर्षिता दवे - 893.75 अंक, रुचि जाट - 891 अंक, नम्रता जैन - 890 अंक, गिरराज परिहार - 859.75 अंक, स्वर्णा दिवान - 833.75 अंक, विक्रमदेव सरयम - 765.50 अंक, शिवानी सिरमचे - 761.50 अंक, जतिन ठाकुर - 759.75 अंक, हिमांशु सोनी - 716 अंक पर रहे.

आरक्षण की पृष्ठभूमि: साल 2019 से पहले मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 14 फीसदी, स्ज्ञ को 20 फीसदी और स्ट को 16 फीसदी आरक्षण मिलता था, जबकि बाकी 50 फीसदी पद अनरिज़र्व्ड कैटेगरी से भरे जाते थे.

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दिया नोटिस

राजनीतिक दलों की पारदर्शिता विवाद

नई दिल्ली, 12 सितंबर (वार्ता). उच्चतम न्यायालय ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजनीतिक दलों के पंजीकरण और विनियमन के लिए व्यापक नियम बनाने का निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका पर शुक्रवार को चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया.

साथ ही मान्यता प्राप्त सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया.न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर संबंधित आदेश पारित किया.पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से कहा, हम नोटिस जारी करेंगे लेकिन एक समस्या उत्पन्न हो सकती है कि हमने राजनीतिक दलों को पक्षकार नहीं बनाया है.वे कहेंगे कि आप (याचिकाकर्ता) उन्हें विनियमित करने के लिए कह रहे हैं और वे यहाँ नहीं हैं.याचिका में दावा किया गया है कि दसवीं अनुसूची के तहत संवैधानिक स्थिति और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 29ए के तहत वैधानिक मान्यता के बावजूद, राजनीतिक दलों के आंतरिक कामकाज, पारदर्शिता या जवाबदेही को विनियमित करने के लिए कोई व्यापक कानून मौजूद नहीं है.

10 प्रतिशत आरक्षण देने को चुनौती

राज्य शासन सहित अन्य से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में स्टेट नीट यूजी काउंसलिंग 2025 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण के लिए तय किए गए नियम संशोधन को चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में राज्य शासन सहित अन्य से जवाब तलब करते हुए मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को निर्धारित की है।

यह मामला भोपाल निवासी जिया जैन व आकांक्षा व अन्य की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता सचिन जैन ने पक्ष रखा। आवेदकों की ओर से कहा गया कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने पिछले साल दिए आदेश में स्पष्ट किया था कि ईडब्ल्यूएस कोटा सिर्फ अनारक्षित (सामान्य) सीटो से निकाला जाना चाहिए न कि कुल सीटो से।

चार्ली किर्क की हत्या का संदिग्ध पुलिस हिरासत में

वाशिंगटन, 12 सितंबर. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उनके करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या करने वाले संदिग्ध को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है.

रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर ने खुद ही स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया है.राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यूज एजेंसी को बताया, मुझे पूरा यकीन है कि वह हिरासत में है. उसके किसी बेहद करीबी ने उसे पुलिस के हवाले किया है. बताया जा रहा है कि संदिग्ध अपनी इच्छा से पुलिस मुख्यालय पहुंचा था.

यूटा में कॉलेज कार्यक्रम के दौरान गोली मारी गई थी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली विश्वविद्यालय परिसर के प्रांगण में एक कॉलेज कार्यक्रम में बोलते समय दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. यह हमला सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ दिखाई देता है, जिसमें किर्क माइक्रोफोन पकड़े बोल रहे थे, तभी उन्हें गोली लगती है. इस हत्या ने अमेरिका में बढ़ती राजनीतिक हिंसा पर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है.इस मामले में एफबीआई ने गुरुवार देर शाम एक संदिग्ध की दो तस्वीरें जारी कर जनता से जानकारी देने की अपील की थी. कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने बताया कि घटनास्थल के पास जंगल में एक .30 कैलिबर बोल्ट-एक्शन राइफल भी मिली है.

चार्ली कर्क के हत्यारे को फांसी की सजा देंगे : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूढ़िवादी एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की हत्या के एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हत्यारा हमारे हाथ लग गया है. संदिग्ध को जानने वाले एक व्यक्ति ने उसे पकड़वाया है. इसी के साथ ही ट्रंप ने अपने कट्टर समर्थक की हत्या को एक बार फिर जघन्य करार दिया है. ट्रंप ने कहा कि फिलहाल संदिग्ध पुलिस मुख्यालय में है. मुझे उम्मीद है कि उसे मौत की सजा मिलेगी.